

प्रेषक,

राधा रतूड़ी

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला स0, बा0 वि0 एवं सै0 क0 अनुभाग

देहरादून: दिनांक 27, मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में सैनिक कल्याण विभाग के कतिपय आयोजनेतर मदों में आवश्यक धनराशि को पुनर्विनियोग किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2002/सै.क./बजट मांग/07-08 दिनांक 25 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में सैनिक कल्याण विभाग के आयोजनेतर मद के अनुदान संख्या-15 में 07-वार-दू-वार सेना मेडल के पुरस्कार प्राप्त राज्य के सैनिकों को एकमुश्त अनुदान/वार्षिकी-42-अन्य व्यय मद में राज्य महिला आयोग के आयोजनेतर पक्ष में संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-1 में इंगित मदों में हो रही बचतों से रुपये 3.26 लाख (रुपये तीन लाख छब्बीस हजार मात्र) का पुनर्विनियोग करते निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्विनियोग के माध्यम से इतनी ही धनराशि व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
2. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल अनुसार शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति, यदि आवश्यक हो तो, ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुये नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
4. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अंतर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए।
6. स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।

7. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अंतर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
8. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय अनुमोदित परिव्यय की सीमा तक ही किया जाए।
9. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के "आयोजनेत्तर पक्ष" के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण-60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-200-अन्य कार्यक्रम-03-सैनिक कल्याण-07-वार-टू-सेना मेडल के पुरस्कार प्राप्त राज्य के सैनिकों को एकमुश्त अनुदान/वार्षिकी, 42-अन्य व्यय (बी0एम0-15 के कॉलम-5) के नामे डाला जायेगा तथा संलग्न प्रारूप बी0एम0-15 के पुनर्विनियोग कॉलम-1 की वक्तों से वहन किया जायेगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या:- ^{543 CNP?} /XXVII(3)/2008, दिनांक 17 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीया,
(राधा रतूड़ी)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 106 (1)/XVII(2)/2007-09(18)/2008 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,
(राधा रतूड़ी)
सचिव।

9/1

वित्तीय वर्ष २००७-०८
२० विभाग- सै०क० विभाग
(विजयश्री हज़ार रुपये में)

जिला-भक्त अशिकाही-संशिव, सैनिक कल्याण, उरुसखण्ड शासनः ।

बजट प्राविधानित लेखाधीनक का विवरण	मानक मदवार आधारितिक कद	मिलीय बर्ष के शेष अवधि में अनुमानित कद	अवशेष (सुरक्षित धनराशि)	लेखाधीनक जिसमें धनराशि स्पष्टान्वरित की जाती है	पुनर्विनियोग के बाद सलम-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद सलम-1 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान लेखा-015				अनुदान लेखा-015			
2235-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण अयोध्यानगर, 02-समाज कल्याण, 103-महिला कल्याण, 10-राज्य महिला आयोग स्त्री स्वायत्तता							कॉलम-3 में उल्लिखित मदों में धनराशि काम होने के कारण मांग नहीं जा रही है, क्योंकि एकाग्रता अनुदान/वार्षिकी बढ़ा दी गयी है, जिससे अभिवृद्धि पत्रादेश की आवश्यकता है।
02-मजदूरी	50	20	0	0307-घर-दू-घर सेवा मंदिर के	-	20	
07-मजदूरी	1500	1413	0	पुरस्कार प्राप्त राज्य सचिवों को	-	1414	
10-अच्छा खाद्य भाना	50	0	0	एकमुक्ता अनुदान/वार्षिकी, 42-अन्न	-	-	
10-प्रकाशन व्यय	200	90	0	खाद्य	-	90	
45-सिंचना प्रतिपूर्ति	50	0	0		-	-	
	1850	1523			326	1524	

(उपरोक्त सीमा लागू करणीस हज्जार मात्र)

प्रमाणित किया जाता है कि प्रगतिश्रियों से बजट निम्नलिखित परिचय 150, 151, 155, में उपलब्ध प्रविष्टिओं पर प्रत्यक्ष करी होता है।

1992

उद्योग, संस्कृत कल्याण विभाग।
उद्योगखण्ड शासन।

26

सेवा में,

महालोकपाल,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृष्ठकम संख्या:- 06 0)XXV/342008-49418/2008

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाई एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु वेष्टित।

1. निदेशक, शैक्षिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कोयला एवं बिना रोजगार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. निदेशक कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आदेश प्रेषिका।

पुनर्निर्वाह रजिस्ट्रार

(अनुमति सिद्ध)

(अनुमति सिद्ध)

अपरा रजिस्ट्रार, पिन, 249008, भारत।

आज्ञा रहे,

(राजेश शर्मा)

रजिस्ट्रार, शैक्षिक कल्याण विभाग,

उत्तराखण्ड शासन।